

प्रेषक,

एस० राजू
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेड़ा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1 (बेसिक)

देहरादून : दिनांक ३। जनवरी, 2014

विषय: अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET-I) उत्तीर्ण बी०एड० योग्यताधारी अभ्यर्थियों को राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु चयनित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं० प्रा०शि०-सेवा(2)/30200/बी०एड०नियु०/2013-14 दिनांक 21.1.2014 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- अवगत कराना है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्था एन०सी०टी०ई० की अधिसूचना दिनांक 23 अगस्त, 2010 एवं संशोधित अधिसूचना 29 जुलाई, 2011 द्वारा सहायक अध्यापक प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) हेतु धारा-3 के अन्तर्गत निर्धारित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हता तथा अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-2512(ई) दिनांक 17-10-2012 में वर्णित प्राविधानों के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2014 तक राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के रूप में इस प्रतिबन्ध के साथ नियुक्ति किये जाने का प्राविधान है कि नियुक्ति के पश्चात ऐसे अभ्यर्थियों को एन०सी०टी०ई० से मान्यता प्राप्त छः माह का विशेष प्रशिक्षण उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

3- बी०एड० टी०ई०टी० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के चयन हेतु पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-1283/XXIV(1)/2011-28/2010 दिनांक 14-12-2011 में निर्धारित जनपदवार चयन प्रक्रिया को माननीय उच्च न्यायालय नैनीताल में चुनौती दी गयी तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विशेष अपील संख्या 360/2012 में दिये गये निर्णय दिनांक 26.11.2013 में जनपद आधारित चयन प्रक्रिया को विधि सम्मत नहीं माना गया है। अतएव उत्तराखण्ड राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा सेवा (अध्यापक) सेवा नियमावली-2012 (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्राविधानों के अनुसार इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति किये जाने से पूर्व राज्य स्तर पर संयुक्त वरिष्ठता सूची से इनका चयन किया जाना होगा। चयन के पश्चात उनके द्वारा दिये गये विकल्प एवं उनकी वरिष्ठता के आधार पर अभ्यर्थियों को जनपद आवंटित किये जाने होंगे, ताकि नियमावली के प्राविधानों के अनुसार नियुक्त प्राधिकारी संवर्गानुसार नियुक्ति प्रदान कर सकें।

4. अतः विभागीय प्रस्तावानुसार अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET-I)/बी०एड० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु चयन प्रक्रिया निम्नांकित दिशा-निर्देशों के अधीन सम्पादित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

(1) शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हता :-

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हतायें निम्नवत् हैं :-

(i) भारत में विधि द्वारा स्थापित महाविद्यालय/विश्वविद्यालय, जो विश्व विद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त हो, से स्नातक की उपाधि तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.एड./बी०एड० (विशेष शिक्षा)/डी०एड० (विशेष शिक्षा) अर्हता प्राप्त की हो।

(ii) उत्तराखण्ड सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा कक्षा-1 से 5 के शिक्षको हेतु आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण।

(2) अभ्यर्थी की आयु :-

अभ्यर्थी की आयु नियुक्ति हेतु 01 जुलाई, 2013 को न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए, परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों की स्थिति में, अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट होगी तथा भूतपूर्व सैनिकों के संदर्भ में शासनादेशानुसार छूट देय होगी। विकलांगों हेतु अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट होगी, परन्तु किसी भी दशा में निर्धारित तिथि को 50 वर्ष से अधिक आयु का अभ्यर्थी नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होगा।

(3) राष्ट्रीयता एवं निवास :-

(क) अभ्यर्थी भारत का नागरिक हो,

(ख) उत्तराखण्ड राज्य के किसी भी सेवायोजन कार्यालय में विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथि से पूर्व पंजीकृत/नवीनीकृत हो।

(4) आरक्षण :-

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों एवं अन्य आरक्षित वर्ग के लिए उत्तराखण्ड राज्य सरकार द्वारा समय समय प्रवृत्त आदेशों के अनुसार उर्ध्वाधर/क्षैतिज आरक्षण देय होगा।

(5) वैवाहिक प्रास्थिति :-

सेवा में नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया है, जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो।

(6) चरित्र :-

चयन के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए, जिससे कि वह चयन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। संघ सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवायोजन के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।

(7) आवेदन की प्रक्रिया :-

(क) जनपद के जिलाधिकारी अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अधिवास प्रमाण पत्र चयन के समय प्रस्तुत किया जायेगा।

(ख) अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र में सभी आवश्यक सूचनाएँ अंकित करनी होंगी।

(ग) आवेदन पत्र का प्रारूप उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा के वेबसाइट www.schooleducation.uk.in पर उपयोगार्थ उपलब्ध होगा, जिसे A-4 साइज के पेपर पर डाउनलोड किया जा सकेगा। अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क के साथ निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन पत्र

पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय परिसर, ननूरखेडा देहरादून के पते पर इस प्रकार प्रेषित करेंगे कि प्रत्येक दशा में अन्तिम तिथि को सायं 5.00 बजे तक प्राप्त हो जाय। निर्धारित अन्तिम तिथि एवं समयावधि (सायं 5.00 बजे तक) के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। डाक विलम्ब के लिये विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अभ्यर्थी द्वारा अपने आवेदन पत्र में जो सूचनाएं अंकित की जायेंगी, उससे भिन्न सूचनाएं तथा आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रमाण पत्रों की प्रतियों से इतर प्रमाण पत्र को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा। आवेदन पत्र में उल्लिखित सूचनाओं से सम्बन्धित अभिलेखों की स्वप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र प्रेषण की अन्तिम तिथि के पश्चात निर्गत कोई भी आवश्यक एवं अधिमानी प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में जनपद का विकल्प प्रस्तुत करना होगा। चयन करने वाली संस्था वरिष्ठता तथा प्राप्त विकल्प के अनुसार जनपद आवंटित करेंगी।

(ग) सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु आवेदन शुल्क ₹ 500/- तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए ₹ 250/- निर्धारित है। शुल्क अपर निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद राजीव गांधी नवोदय विद्यालय परिसर, ननूरखेडा देहरादून के पक्ष में राष्ट्रीयकृत बैंक से निर्गत रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में देय होगा। बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

विकलांग अभ्यर्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा तथा उन्हें नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त विकलांगता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होगा।

(8) चयन प्रक्रिया :-

समस्त चयन प्रक्रिया अपर निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून के पर्यवेक्षण/निर्देशन में सम्पादित की जायेगी। चयन प्रशिक्षण वर्ष की ज्येष्ठता एवं गुणांको की मेरिट के आधार पर किया जायेगा। गुणांकों की गणना निम्नवत् की जायेगी।

(क) अभ्यर्थियों के नाम उनकी शैक्षिक, प्रशिक्षण योग्यता एवं अध्यापक पात्रता परीक्षा में प्राप्त गुणांको के योग के अनुसार प्रशिक्षण वर्ष की ज्येष्ठता के अवरोही क्रम में रखे जायेंगे, परन्तु यदि दो अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण वर्ष एवं गुणांक समान हो तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को चयन में वरीयता प्रदान की जायेगी। गुणांको की गणना निम्नवत् की जायेगी :-

क्र०स०	परीक्षा/उपाधि का नाम	गुणांक
01	हाईस्कूल	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 0.75}{10}$
02	इण्टरमीडिएट	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 1.5}{10}$
03	स्नातक	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 2.25}{10}$
04	प्रशिक्षण बी०एड०/डी०एड०(विशेष शिक्षा)/बी०एड०(विशेष शिक्षा)	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 3}{10}$
	क-सिद्धान्त	
	ख-प्रयोगात्मक	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 1.5}{10}$
05	अध्यापक पात्रता परीक्षा (I-V)	$\frac{\text{अंकों का प्रतिशत} \times 1}{10}$

संयुक्त वरिष्ठता सूची राज्य स्तर पर तैयार की जायेगी और विकल्पानुसार अभ्यर्थियों को जनपद आवंटित किये जायेंगे।

(ख) जनपद में उपलब्ध कुल रिक्तियों के सापेक्ष 50 प्रतिशत विज्ञानेत्तर के तथा प्रतिशत विज्ञान वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन निर्धारित प्रावधानों के अधीन किया जायेगा।

(ग) अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्र में, जो सूचनाएं अंकित होंगी, उन्हीं के आधार पर श्रेष्ठता सूची तैयार की जायेगी। आवेदन पत्र के साथ उत्तराखण्ड शासन द्वारा आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा अथवा सी0टी0ई0टी0 (कक्षा 1 से 5 के लिए) उत्तीर्ण का अंक पत्र, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक परीक्षा एवं बी0एड0/बी0एड0 (विशेष शिक्षा)/डी0एड0(विशेष शिक्षा) परीक्षा के अंक पत्र तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र, विशेष आरक्षण प्रमाण पत्र की स्व-प्रमाणित छाया प्रतियां संलग्न की जायेंगी। श्रेणीवार पृथक-पृथक 25 प्रतिशत से अनधिक की प्रतीक्षा सूची तैयार की जायेगी।

(घ) विज्ञापन में आवेदन करने की अन्तिम तिथि तक संबंधित अभ्यर्थी द्वारा समस्त निर्धारित अर्हताएं पूरी होनी चाहिए।

(ङ.) चयनित अभ्यर्थियों के मूल अभिलेखों का सत्यापन नियुक्ति अधिकारी द्वारा अभिलेखों का निर्गमन करने वाली संस्थाओं से कराया जायेगा। सत्यापन में भिन्नता पाये जाने की दशा में चयन/जॉच/नियुक्ति/प्रशिक्षण किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा तथा सम्बन्धित अभ्यर्थी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुये विधिक कार्यवाही की जायेगी।

(9) छः माह का विशेष प्रशिक्षण :-

नियुक्ति के पश्चात अभ्यर्थियों को छः माह के प्रशिक्षण पर सम्बन्धित जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में भेजा जायेगा, जिसमें से तीन माह का क्रियात्मक प्रशिक्षण अभ्यर्थी द्वारा अपने तैनाती वाले विद्यालय में ही प्राप्त करना होगा।

(11) राज्य स्तरीय चयन हेतु समिति :- चयन हेतु समिति निम्नवत होगी :-

1. अपर निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड— अध्यक्ष
2. प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
(निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण द्वारा नामित)— सदस्य
3. संयुक्त निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड— सदस्य
4. निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण द्वारा नामित अनुसूचित जाति/
अनुसूचित जनजाति का एक अधिकारी — सदस्य
5. उप निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड — सदस्य सचिव

(11) मौलिक नियुक्ति :-

राज्य स्तरीय चयन के पश्चात अभ्यर्थियों को आवंटित जनपद के नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उत्तराखण्ड राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली 2012 (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत नियुक्ति प्रदान की जायेगी।

(12) जनपदवार उपलब्ध सम्भावित रिक्तियों की संख्या (जो घट/बढ़ भी सकती है) निम्नवत है :-

क्रमांक	जनपद का नाम	आवृत्ति सीटें
01	उत्तरकाशी	66
02	चमोली	60
03	रूद्रप्रयाग	50
04	हरिद्वार	46
05	पौड़ी गढ़वाल	88
06	देहरादून	76
07	टिहरी गढ़वाल	100
08	अल्मोड़ा	120
09	उधमसिंह नगर	130
10	बागेश्वर	88
11	पिथौरागढ़	110
12	चम्पावत	50
13	नैनीताल	0
योग		980

(13) सहायक अध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेवा विकासखण्ड संवर्ग सेवा है तथा सहायक अध्यापक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के पद पर पदोन्नति के पदों हेतु विषय संयोजन होना अनिवार्य है।

5- अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त प्रक्रियानुसार अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET-I) तथा बी०एड०/बी०एड० (विशेष शिक्षा)/डी०एड० (विशेष शिक्षा) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के पद हेतु चयन किये जाने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एस० राजू)

प्रमुख सचिव

सं० 149 (i)/XXIV(1)/2014-28/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, मा० विद्यालयी शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, ननूरखेड़ा, देहरादून।
- 4- निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, ननूरखेड़ा, देहरादून।
- 5- राज्य परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड सभी के लिये शिक्षा परिषद, देहरादून।
- 6- अपर निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- अपर शिक्षा निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
- 8- समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी/जिला शिक्षा अधिकारी, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड (निदेशालय के माध्यम से)।
- 9- समस्त प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तराखण्ड, (निदेशालय के माध्यम से)।
- 10- गार्ड फाईल।
- 11- सन० १४९ सी०, सचिवालय पत्रि० २ देहरादून।

आज्ञा से,

(एस० राजू)

प्रमुख सचिव